विषय–हिन्दी
मार्किंग स्कीम (अंक योजना) नौंवी कक्षा

परीक्षार्थी के सही एवं उचित आंकलन के लिए उसकी उत्तर–पुस्तिका का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण कार्य है। इस कार्य में थोड़ी–सी भी असावधानी गंभीर समस्या पैदा कर सकती है, जो परीक्षार्थी के भावी जीवन, शिक्षा–प्रणाली एवं अध्ययन–अध्यापन की व्यवस्था को कुप्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए आवश्यक है कि किसी परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका की जाँच करने के पूर्व उत्तर–पुस्तिका के मूल्यांकन संबंधी अंक–योजना एवं महत्त्वपूर्ण निर्देशों से परिचित हो लिया जाए। सत्र 2023–2024 हेतु नौंवी कक्षा की हिन्दी विषय संबंधी अंक–योजना इस प्रकार रहेगी–

महत्त्वपूर्ण निर्देशः–

1. उत्तर–पुस्तिका का मूल्यांकन अंक–योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए।
2. अंक–योजना का उद्‌देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
3. मूल्यांकन करते समय परीक्षक सही उत्तर पर (√) का तथा गलत उत्तर पर गलत (x) का चिह्न अवश्य अंकित करें।
4. किसी भी प्रश्न को खाली न छोड़ें।
5. परीक्षक उत्तर–पुस्तिका के प्रत्येक पृष्ठ को ध्यानपूर्वक देखें क्योंकि कई बार परीक्षार्थी बाद के पृष्ठों पर भी उत्तर लिख देते हैं।
6. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दाई ओर अंक दिए जाएं। बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिए में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और उसमें से किसी एक को काटा नहीं है, तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें। दूसरे उत्तर को काटकर उस पर O.A. लिख दें।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार–बार होने पर उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटें।
9. यदि परीक्षार्थी ने अपने उत्तर में उत्तर से संबंधित सभी बिंदुओं का उल्लेख कर दिया है, तो उसे पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
10. परीक्षक निर्धारित समयानुरुप पूरा समय लेकर मूल्यांकन करें। मूल्यांकन में शीघ्रता मूल्यांकन प्रक्रिया को कुप्रभावित करती है।
11. उत्तर–पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना न छोड़े।
12. परीक्षक यह जाँच ले कि उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक है तथा किसी भी उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक नहीं दिए गए हैं।

13. उत्तर–पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों को आवरण पृष्ठ पर सही तथा शुद्ध रुप में अवतरित करें।
14. बड़ें उत्तरों के संदर्भ में उत्तर का जितना भाग सहीं हो, उस पर उचित अंक प्रदान करें।
15. प्रत्येक परीक्षक यह सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है। कुल योग को शब्द एवं अंक दोनों में लिखा गया है।
16. मूल्यांकन काय निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, अपितु अंक–योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

- उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर–पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करें।

प्रश्नक्रम संख्या	खंड (क) व्याकरण एवं रचना उत्तर	अंक विभाजन
प्रश्न–1	प्रश्न संख्या 1 के यथानिर्दिष्ट उत्तर	2x7=14
	(क) वह छोटी से छोटी ध्वनि, जिसके और ज्यादा टुकड़े न किए जा सकें, वर्ण कहलाती हैः जैसे– अ,इ,उ,क्,ट्,त्,प आदि। वर्ण के दो भेद होते हैं–(i) स्वर, (ii) व्यंजन	2
	(ख) तालाब– सरोवर, तड़ाग	1
	पेड़– वृक्ष, तरु	1
	(ग) परस्पर संबंध रखने वाले दो अथवा अधिक पदो के मेल से उत्पन्न होने वाले विकार को समास कहते हैं। जैसे– नीलकंठ–नीला है कंठ जिसका	2
	(घ) मुहावरों का अर्थ एवं वाक्य में प्रयोग	
	(i) आँख का तारा– बहुत प्यारा। मोहन अपनी माँ की आँखों का तारा है।	1
	(ii) ईंट से ईंट बजाना– नष्ट करना। शिवाजी ने मुगलों की ईंट से ईंट बजा दी।	1

	(ड़) विलोम शब्द (i) शुभ–अशुभ (ii) पसंद–नापसंद	 1 1
	(च) उपसर्ग प्रयोग (i) अभि–अभिमान, अभिशाप (ii) अव–अवकाश, अवगत	 1 1
	(छ) अंलकार (i) मानवीकरण (ii) अनुप्रास	 1 1
प्रश्न(2)	किसी एक विषय पर निबंध भूमिका विस्तार + निर्धारित शब्द सीमा निष्कर्ष	(5) 1 3 1
प्रश्न(3)	पत्र–लेखन (i) आरंभ और अंत की औपचारिकताएं (ii) विषय वस्तु (iii) भाषा	(5) 1 3 1
	खंड ख क्षितिज भाग–1	
प्रश्न (4)	बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर (काव्य खंड)	(6)
	(क) (i) बीजक (ख) (ii) घर (ग) (iii) गोवर्धन (घ) (iv) कोयल (ङ) (ii) मंजरियों से (च) (iii) हवा	1 1 1 1 1 1

प्रश्न (5)	काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर (क) कवि का नाम– राजेश जोशी कविता का नाम– बच्चे काम पर जा रहें हैं। (ख) यथावत् (ग) बच्चों के काम पर जाने का कारण उनकी पारिवारिक आर्थिक मजबूरी प्रतीत होती है। (घ) कवि ने पढ़ने–लिखने, खेलने–कुदने के साधनों के होने के बावजूद बच्चों के काम पर जाने संबंधी स्थिति को अधिक भयावह बताया है। (ङ) काम पर	(5) ½ ½ 1 1 1 1
प्रश्न(6)	काव्य सौंदर्य संबंधी प्रश्न का उत्तर काव्य–सौंदर्य– (i) भाव सौंदर्य (ii) भाषा/शिल्प सौंदर्य	(3) 1½ 1½
प्रश्न(7)	(क) कबीर ने ईश्वर प्राप्ति के लिए प्रचलित अनेक विश्वासोंः जैसे– मंदिर जाना, तीर्थाटन करना, क्रियाकर्म करना, वैराग्य धारण करना, अनेक प्रकार से आडंबर करना आदि का खंडन किया है।	3
	(ख) स्वतंत्रता सेनानियों को कारागृह में डालकर उनसे बैलों की तरह फीता लगाकर चूना पिसवाना, कोल्हू चलवाना, पेट से जीता बाँधकर हल जुतवाना, ईंटों एवं पत्थरों से गीटियाँ तुड़वाना, उन्हें भुखा–प्यासा रखना। उन्हें किसी से मिलने न देना, उनके हँसने–खेलने पर रोक लगाना।	3

	(खंड–ग) क्षितिज भाग–1	
प्रश्न(8)	बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर(गद्य खंड) (क) (ii) छोटी लड़की ने (ख) (iii) 103 (ग) (i) श्यामाचरण दुबे (घ) (ii) दूरबीन (ड़) (iv) गलत बातों से समझौता न करना (च) (iv) ताई	(6) 1 1 1 1 1 1
प्रश्न(9)	गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर (क) (i) लेखक का नाम – हरिशंकर परसाई (ii) पाठ का नाम – प्रेमचंद के फटे जूते (ख) प्रस्तुत गद्यांश हमारी हिन्दी की पाठ्य–पुस्तक क्षितिज (भाग–1) में संकलित पाठ 'प्रेमचंद के फटे जूते' से लिया गया है। यह पाठ एक व्यंग्य चित्र है, जिसमें लेखक ने प्रेमचंद की सादगी और आडंबरहीनता का वर्णन किया है। (ग) प्रेमचंद का। (घ) किसी मोटे कपड़े की टोपी (ड़) प्रेमचंद का चेहरा उनकी घनी मूंछों के कारण भरा–भरा दिखाई देता है।	(5) 1 1 1 1 1 1
प्रश्न(10)	राहुल सांकृत्यायन अथवा महादेवी वर्मा का लेखक परिचय (i) जीवन परिचय (ii) रचनाएं (iii) साहित्यिक विशेषताएं (iv) भाषा–शैली	(5) 1 1 1½ 1½

प्रश्न(11)	(क) हीरा व मोती झूरी काछी के पालतू ही नहीं, वफादार बैल थे। वे अपने स्वामी से अत्यधिक प्रेम करते थे। एक बार झूरी ने उन्हें अपने साले के साथ अपनी ससुराल भेज दिया। बैलों ने समझा कि उन्हें उनके मालिक ने बेच दिया है। इसी कारण रास्ते भर वे गया से बचकर भागने का प्रयास करते रहे। इसी कारण गया को बैल घर तक ले जाने में पसीना आ गया। (ख) बचपन में एक बार गलती से सालिम अली ने अपनी एयरगन से एक नीले कंठ वाली गौरया को घायल कर दिया। उस घायल गौरया की दयनीय दशा देखकर उन्हें बहुत दुःख हुआ। इस घटना ने उनके जीवन की दिशा को बदल दिया और वे पक्षी प्रेमी बन गए।	(2) (2)
	(खंड–घ) कृतिका भाग–1	
प्रश्न(12)	कृतिका (भाग–1) के आधार पर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर	3+3=6
	(क) सुरक्षित स्थानों पर जाना। ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासिलाई, सिगरेट, पीने का पानी, गोलियाँ तथा पत्र–पत्रिकाएं एकत्रित करना। (ख) घर में घुसे चोर को परदादी द्वारा घर का आदमी समझना। उससे एक लोटे में पानी मंगवाना। उस पानी को दोनों द्वारा पीना और परदादी द्वारा यह कहना कि एक लोटे में पानी पीकर हम माँ–बेटे हुए, अब बेटा तू चाहे तो चोरी कर, चाहे खेती। (ग) प्रतीकात्मक शीर्षक। शंकर का एक ऐसे लड़के के रुप में चित्रण जिसकी न केवल वास्तव में रीढ़ की हड्डी झुकी हुई है, वरण उसकी चरित्र रुपी हड्डी भी नहीं है।	3 3 3

	खण्ड–ड़ नैतिक शिक्षा	
प्रश्न(13)	(क) बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर 1. (iii) दो सेर 2. (ii) जीजाबाई 3. (i) क्रिसमस 4. (iv) सद्व्यवहार	(4)
	(ख) (i) सत्संगति व्यक्ति के जीवन में सदाचरण उत्पन्न करती है। (ii) इससे व्यक्ति का जीवन अनुशासित हो जाता है। (iii) व्यक्ति में ज्ञान का प्रकाश होता है। (iv) मनुष्य के मन में बड़ों के प्रति सम्मान का भाव जाग्रत होता है	(3)
	(ग) भारत को त्योहारों का देश इसलिए कहा जाता है क्योंकि भारत में वर्षभर कोई न कोई त्योहार मनाया जाता रहता है। होली, दीवाली, दशहरा, रक्षाबंधन हिन्दुओं के प्रमुख त्योहार हैं। रमजान, ईद आदि मुस्लिमों के, क्रिसमस ईसाईयों का तथा ग़ुरुपर्व, बैसाखी आदि सिखों के प्रमुख त्योहार हैं।	(3)